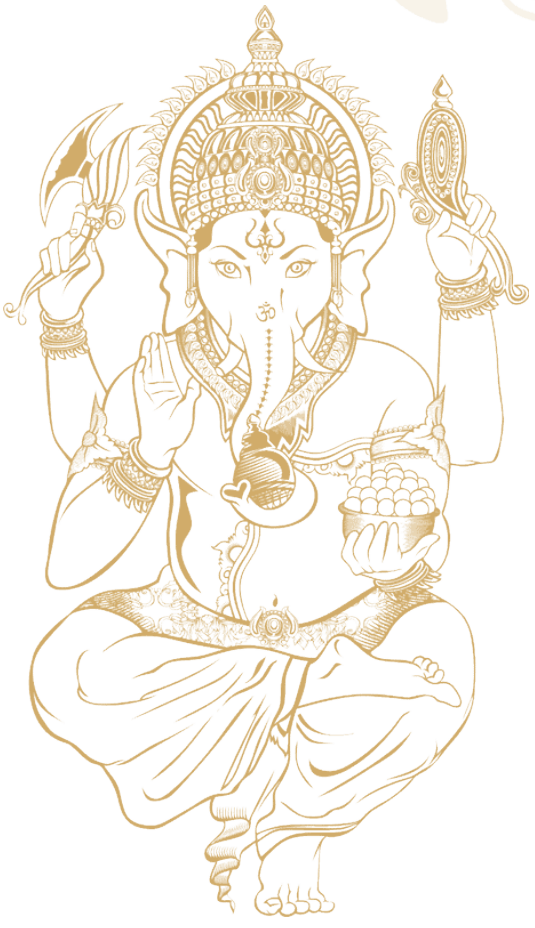

Mr.ompal

Ms.sapna

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119990702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/11/2005	जन्म तिथि	16/01/2006
बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 11:50:00	जन्म समय	14:30:00 घंटे
घटी 12:07:35	जन्म समय(घटी)	17:59:30 घटी
India	देश	India
Karnal	स्थान	Kurukshetra
29:41:00 उत्तर	अक्षांश	29:59:00 उत्तर
76:59:00 पूर्व	रेखांश	76:51:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:04	स्थानिक संस्कार	-00:22:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:58:57	सूर्योदय	07:19:20
17:22:32	सूर्यास्त	17:45:33
23:56:18	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:28

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 7वर्ष 9मा 8दि	26:13:28	मक	लग्न	वृष	18:43:24	बुध 7वर्ष 10मा 28दि
शनि	14:12:12	वृश्चि	सूर्य	मक	02:08:47	शुक्र
08/09/2013	26:51:24	तुला	चंद्र	कर्क	23:47:44	14/12/2020
07/09/2032	14:58:08	मेष व	मंगल	मेष	21:50:16	14/12/2040
शनि 10/09/2016	02:10:10	वृश्चि व	बुध	धनु	25:28:23	शुक्र 15/04/2024
बुध 22/05/2019	13:31:23	तुला	गुरु	तुला	21:37:05	सूर्य 15/04/2025
केतु 29/06/2020	27:48:17	धनु	शुक्र व	धनु	28:16:28	चन्द्र 15/12/2026
शुक्र 30/08/2023	17:18:51	कर्क व	शनि व	कर्क	14:51:36	मंगल 14/02/2028
सूर्य 11/08/2024	18:19:10	मीन व	राहु व	मीन	12:57:37	राहु 14/02/2031
चन्द्र 12/03/2026	18:19:10	कन्या व	केतु व	कन्या	12:57:37	गुरु 15/10/2033
मंगल 21/04/2027	12:59:27	कुंभ	हर्ष	कुंभ	14:25:03	शनि 14/12/2036
राहु 25/02/2030	21:12:34	मक	नेप	मक	22:33:52	बुध 15/10/2039
गुरु 07/09/2032	29:46:22	वृश्चि	प्लूटो	धनु	01:29:10	केतु 14/12/2040

लग्न-चलित

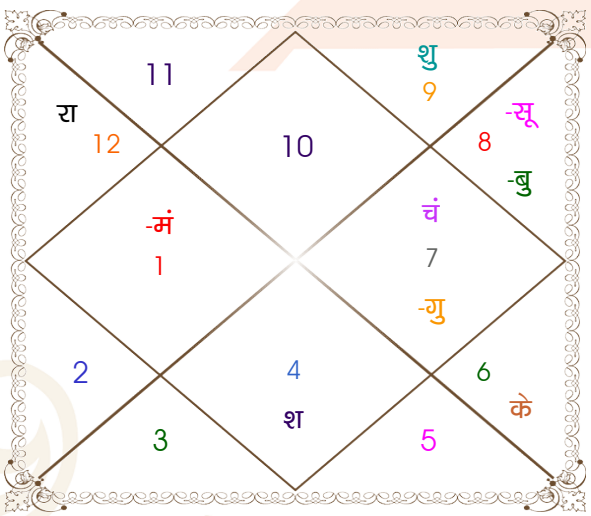

लग्न-चलित

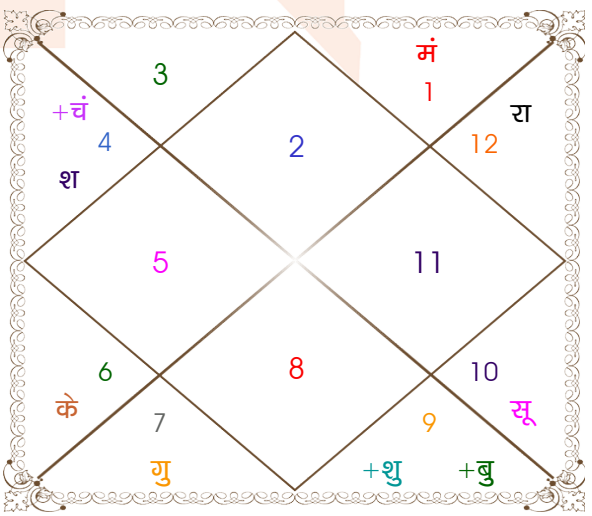

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मार्जार	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.00		

Mr.ompal का वर्ग सर्प है तथा Ms.sapna का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.ompal और Ms.sapna का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.ompal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr.ompal कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.ompal कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.sapna मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.sapna कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.sapna कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.sapna कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.ompal कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.ompal तथा Ms.sapna में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।